पुनःस्थापना

यीशु मसीह के सुसमाचार की पुनःस्थापना

परमेश्वर आपका प्रिय स्वर्गीय पिता है

परमेश्वर आपका स्वर्ग में पिता है । वह आपको व्यक्तिगतरुप से जानता और आप से आपकी समझ से कहीं अधिक प्रेम करता है । वह आपको इस जीवन में और अनंतता में प्रसन्न देखना चाहता है ।

इस उदेश्य को पाने में, स्वर्गीय पिता ने एक योजना प्रदान की जिसे यीशु मसीह का सुसमाचार* कहते है । यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, उसकी शिक्षा इस जीवन में शान्ति की और अनंतता में प्रसन्नता का मार्गदर्शन करती है ।

हमारे स्वर्गीय पिता दिव्य सच्चाइयों को वापस लाए—पुनःस्थापित किया जिन्हें आप सीख और जी सकते हैं । इन सच्चाइयों को आरंभ से ही भविष्यवक्ताओं को प्रकट किया गया था ।

सुसमाचार परिवारों और व्यक्तियों को आशीषित करता है

यीशु मसीह का सुसमाचार उन सभी को आशीषित करता है जो उसे ग्रहण करते और जीते हैं । सुसमाचार की शिक्षा को सीखने की सब से अच्छी जगह है परिवार । परमेश्वर ने परिवारों का निर्माण अपने बच्चों के लिए आनंद लाने, प्रेम भरे वातावरण में सही नियमों को सीखने की हमें अनुमति देने, और मरने के बाद उसकी उपस्थिति में लौटने की तैयारी करने के लिए किया था । इसलिए परिवारिक रिश्ते समय समय पर चुनौती भरे हो सकते हैं, स्वर्गीय पिता हमें आशीषित करते हैं जब हम यीशु मसीह की शिक्षा का अनुसरण करने में प्रबल होते हैं । यह शिक्षाएं हमारी मदद हमारे परिवारों को बल देने में करती है

स्वर्गीय पिता अपना सुसमाचार प्रकट करता है

उसकी योजना के भाग के रुप में, परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं को चुना, जैसे आदम, नूह, इब्राहीम, और मूसा । भविष्यवक्ता :

- परमेश्वर के बारे में सीखाते और उसके पुत्र, यीशु मसीह के विशेष साक्षी हैं ।
- प्रकटीकरण, या प्रभु की तरफ से निर्देश प्राप्त करते हैं ।
- संसार को सुसमाचार सीखाते और परमेश्वर के वचन का अनुवाद करते हैं ।

* लाल रंग के शब्द पृष्ठ 18 और 19 पर परिभाषित किए गऐ हैं ।

भविष्यवक्ता पौरोहित्य, या उसके बच्चों का मार्गदर्शन करने के लिए परमेश्वर के नाम में बोलने और कार्य करने का अधिकार प्राप्त करते हैं । वे लोग जो भविष्यवक्ताओं का अनुसरण करते हैं परमेश्वर की वादा की हुई आशीषें प्राप्त करते हैं । जो परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं और सुसमाचार को अस्वीकार करते हैं वो आशीषों से वंचित होते और अपने आप को परमेश्वर से दूर करते हैं । जो भविष्यवक्ताओं को अस्वीकार करते और परमेश्वर का अनुसरण करने के अपने वादे को त्याग देते हैं वे उस अवस्था में होते हैं जिसे स्वधर्मत्याग कहते हैं ।

प्रकट हुई सच्चाइयां लुप्त हो जाती है जब लोगों ने भविष्यवक्ताओं को अस्वीकार करते हैं ।

यहां तक कि उसके बहुत से बच्चे लगातार उसे और उसकी शिक्षाओं को अस्वीकार करते रहते हैं, फिर भी स्वर्गीय पिता अपने बच्चों से लगातार प्रेम करता है । वह हमें सब कुछ देना चाहता है जिसकी हमें इस समय आनंदित होने और मृत्यु के बाद उसके पास लौटने की जरूरत है । धर्मशास्त्र परमेश्वर के आदर्श को उसके बच्चों को उसके पास आने के लिए लगातार प्रकट करते हैं, यद्यपि हम हमेशा सुनते नहीं हैं :

- भविष्यवक्ता को परमेश्वर चुनता है ।
- भविष्यवक्ता सुसमाचार को सीखाता और लोगों का मार्गदर्शन करता है ।
- परमेश्वर लोगों को आशीषित करता है ।
- लोग धीरे धीरे भविष्यवक्ता की शिक्षाओं की उपेक्षा या उल्लंघन करने लगते हैं । वे अंततः भविष्यवक्ता और उनकी शिक्षाओं को नाकार देते और स्वधर्मत्याग में पतित हो जाते हैं ।
- स्वधर्मत्याग के कारण, लोगों ने सुसमाचार का खो देते हैं । पौरोहित्य अधिकार उनके बीच से उठा लिया जाता है ।
- जब समय सही होता है और लोग दूबारा से उसका अनुसरण करने के लिए तैयार होते हैं, परमेश्वर अन्य भविष्यवक्ता को चुनता, पौरोहित्य और गिरजाघर की पुनःस्थापना करता, और सुसमाचार सीखाने के लिए भविष्यवक्ता का निर्देशन करता है ।

लाल रंग के शब्द पृष्ठ 18 और 19 पर परिभाषित किए गऐ हैं ।

पुराने नियम के भविष्यवक्ता परमेश्वर के वचनों का लेखा रखते थे ।

यीशु मसीह ने अपने गिरजाघर की स्थापना की थी

सृष्टि के समय से, परमेश्वर के बच्चे उद्धारकर्ता के आने का इंतजार कर रहे थे । अपने वादे के अनुसार, स्वर्गीय पिता ने अपना पुत्र, यीशु मसीह, पृथ्वी पर 2,000 वर्ष पहले भेजा था ।

यीशु मसीह ने परिपूर्ण, पापरहित जीवन जीया था । उसने अपना गिरजा स्थापित किया, अपना सुसमाचार सीखाया, और कई चमत्कार किए थे । उसने पतरस, याकूब और यूहन्ना सहित, बारह पुरुषों को अपने प्रेरित चुना, । उसने उन्हें सीखाया और उन्हें पौरोहित्य अधिकार दिया था कि उसके नाम से सीखाए और पवित्र धर्मविधियां करें, जैसे कि बपत्सिमा ।

जब यीशु मे अपना गिरजा स्थापित किया था, उसने अपने स्वर्गीय पिता की ओर से निर्देशन प्राप्त किए थे । फिर उसने अपने चेलों को निर्देश दिए । यीशु ने अपने अनुयाइयों को सीखाया था कि परमेश्वर की ओर से प्रकटीकरण वह चट्टान है जिसपर वह अपना गिरजा बनाएगा ।

यीशु मसीह ने अपना गिरजा स्थापित किया :

- *उसने प्रेरितों को बुलाया और नियुक्त किया ।*
- *उसने उन्हें सीखाने का और बपतिस्मे देने का अपना अधिकार दिया । इस अधिकार को पौरोहित्य कहते हैं ।*
- *उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के बाद, वह लगातार प्रेरितों को प्रकटीकरण द्वारा मार्गदर्शन देता रहा ।*

अपने जीवन के अन्त में, यीशु मसीह ने पीड़ा सही और प्रत्येक के पापों के लिए मारा गया उनके लिए जो पृथ्वी पर जीवन जी चुके हैं या जीवन जीने आएगें । इस बलिदान को प्रायश्चित कहते हैं । उसके पीड़ा सहना, मृत्यु, और पुनरुत्थान के द्वारा, उद्धारकर्ता ने हमारे लिए क्षमा किया जाना मुमकिन किया था । जो उसमें विश्वास, पश्चताप, और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं वे पापों की क्षमा पाते है और शान्ति और आनन्द से भर जाते हैं ।

उसके पुनरुत्थान के बाद, यीशु मसीह अपने चेलों को प्रकटीकरण के द्वारा मार्गदर्शन करते थे । बाइबिल में कई तरीको का लेखा है जिससे वह अपने गिरजा का लगातार निर्देशन करता है (देखें प्रेरितों के काम 10; प्रकाशितवाक्य 1:1) । इसलिए यीशु मसीह का गिरजाघर का परमेश्वर के द्वारा निर्देशित होता है और न की मनुष्यों द्वारा ।

लाल रंग के शब्द पृष्ठ 18 और 19 पर परिभाषित किए गऐ हैं ।

यीशु ने अपने प्रेरितों को पौरोहित्य प्रदान किया था ।

महान स्वधर्मत्याग

यीशु मसीह के मृत्यु के बाद, दुष्ट लोगों ने गिरजाधर के बहुत से सदस्यों का तिरस्कार और हत्या की थी । अन्य गिरजाधर के सदस्यों ने यीशु मसीह और उसके प्रेरितों द्वारा सीखाए गए नियमों से दूर हो गए थे । प्रेरितों की हत्या कर दी गई, और गिरजाघर का निर्देशन करने और प्रकटीकरण पाने की कुंजियों सहित पौरोहित्य अधिकार—पृथ्वी से उठा ली गई थी । क्योंकि गिरजाघर को पौरोहित्य द्वारा मार्गदर्शन की प्राप्ति अब नहीं थी, इसलिए गिरजाघर की शिक्षाओं में गलतियां घुसने लगी थीं । अच्छे लोग और बहुत सी सच्चाई बाकी थी, परन्तु यीशु मसीह द्वारा स्थापित सुसमाचार लुप्त हो गया था । इस दौर को महान स्वधर्मत्याग कहते हैं ।

यीशु मसीह के प्रेरितों की मृत्यु के साथ, सच्चाई एकबार फिर से खो गई थी ।

इस स्वधर्मत्याग के परिणाम स्वरूप परस्पर-विरोधी शिक्षाओं के साथ कई गिरजाघरों का गठन हुआ । इस समय के दौरान, बहुत से स्त्री और पुरुष सच्चाई खोजते रहें, परन्तु वह उसे पाने में असमर्थ थे । बहुत से अच्छे लोग परमेश्वर और यीशु मसीह में विश्वास करते रहे और समझने की कोशिश करते और सच्चाई सीखाते, परन्तु उनके पास पूरा सुसमाचार या पौरोहित्य अधिकार नहीं था । जिसके परिणाम स्वरुप, प्रत्येक पीढ़ी को स्वधर्मत्याग की स्थिति विरासत में मिली थी जब लोग उसके द्वारा प्रभावित होते जो उन्हें गुजरी हुई पीढ़ी देती थी, जिसमें मसीह के सुसमाचार का परिवर्तन शामिल है ।

कुछ प्रेरित लोग, जैसे मार्टिन लूथर और जॉन केलविन, ने पहचाना प्रथाएं को और सिद्धान्तों को बदल दिया गया या लुप्त हो गई थी । उन्होंने गिरजे का परिवर्तन करने का प्रयास किया जिससे वे संबंध रखते थे । पौरोहित्य अधिकार के बिना, तथापि, मसीह का सुसमाचार अपने वास्तविकता में लौटकर नहीं आ सकता था । एक पुनःस्थापना की आवश्यकता थी ।

लाल रंग के शब्द पृष्ठ 18 और 19 पर परिभाषित किए गऐ हैं ।

परमेश्वर जानते थे कि स्वधर्मत्याग होगा । पुराने नियम के एक भविष्यवक्ता द्वारा, उसने कहा :

''देखो, ऐसे दिन आते हैं ... जब में इस देश में महंगी करुंगा, उस में न तो अन्न की भूख और न पानी की प्यास होगी, परन्तु यहोवा के वचनों के सुनने ही की भुख प्यास होगी :

''और लोग यहोवा के वचन की खोज में समुद्र से समुद्र तक और उत्तर से पूरब तक मारे मारे फिरेंगे, परन्तु उसको न पाएगे ।''

आमोस 8:11–12

सुसमाचार की पुनःस्थापना

1820 में, जैसे उसने पूरे इतिहास में किया था, स्वर्ग में पिता ने दूबारा सुसमाचार और पौरोहित्य की पुन-स्थापना करने के लिए भविष्यवक्ता चुना । उस भविष्यवक्ता का नाम जोसफ स्मिथ था । एक युवा पुरुष के रूप में, जोसफ अपने क्षेत्र के गिरजाघरो के बीच में मतभेदों से परेशान था और जानना चाहता था कि कौन सा गिरजाघर सही था । यह जानते हुए कि उसके पास ज्ञान की कमी थी, उसने बाइबलि में दी सलाह का अनुसरण किया, ''यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो तो परमेश्वर से मांगे, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है, और उसको दी जाएगी'' (याकूब 1:5) ।

जोसफ स्मिथ ने परमेश्वर से पूछने का निर्णय लिया कि उसे क्या करना चाहिए । जब जोसफ ने सच्चाई जानने के लिए प्रार्थना की स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह उसको प्रकट हुए । यीशु ने जोसफ को किसी भी गिरजाघर से न जुड़ने को कहा, ''क्योंकि यह सब गलत हैं'' और ''ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते है, परन्तु उन के मन मुझ से दूर हैं, और जो धार्मिकता के रूप में, मनुष्यों की आज्ञाओं के सिद्धान्तों की शिक्षा देते हैं, प्रभुत्व के रुप में, परन्तु उसकी शक्ति को न मानेंगे (जोसफ स्मिथ—इतिहास 1:19) ।

जैसे परमेश्वर ने आदम, नूह, इब्राहीम, मूसा, और अन्य भविष्यवक्ताओं के साथ किया था, उसने जोसफ स्मिथ को भविष्यवक्ता बनाया जिस के द्वारा संपूर्ण सुसमाचार की पुनःस्थापना हुई थी ।

जोसफ स्मिथ ने स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह को देखा । इस अनुभव के बारे में, उसने कह था :

''मैंने ठीक अपने सिर के ऊपर ज्योति का खम्भा देखा था, जिसकी चमक सूरज के तेज से कहीं अधिक थी, जोकि धीरे से नीचे की ओर आ रहा था जबतक वह मेरे ऊपर ठहर न गया । ...

''जब प्रकाश मेरे ऊपर ठहर गया मैंने दो जनों को देखा, जिनका तेज और महिमा सब वर्णनों से कहीं अधिक था वे ऊपर हवा में खड़े थे । उनमे से एक ने मुझ से, मेरा नाम पुकार कर, दूसरे की ओर इशारा करके कहा—

यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो !''

जोसफ स्मिथ—इतिहास 1:16–17

स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह जोसफ स्मिथ को प्रकट हुए थे, जैसे फिल्म पुनरुत्थान में चित्रित है ।

पौरोहित्य की पुनःस्थापना

1829 में, जोसफ स्मिथ ने, वही पौरोहित्य अधिकार प्राप्त किया जिसे यीशु मसीह ने अपने प्रेरितों को दिया था । यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था, जोसफ स्मिथ को प्रकट हुऐ और उस पर हारुनी पौरोहित्य, या लघु पौरोहित्य दिया था । पतरस, याकूब, और यूहन्ना (यीशु मसीह के तीन प्रारंभिक प्रेरित) बाद में जोसफ स्मिथ को प्रकट हुए और उसको मलकिसिदिक पौरोहित्य, या उच्च पौरोहित्य दिया था ।

उसके पौरोहित्य अधिकार प्राप्ति के बाद, जोसफ स्मिथ को पृथ्वी पर दुबारा से यीशु मसीह के गिरजाघर को स्थापित करने के लिए निर्देश मिले थे । उसके द्वारा, यीशु मसीह ने दुबारा से बारह प्रेरितों को बुलाया था ।

यीशु मसीह ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को भेजा और फिर अपने तीन प्रेरितों को जोसफ स्मिथ को पौरोहित्य अधिकार देने भेजा था ।

जैसा की यीशु मसीह अपने प्रेरितों को अपने पुनरुत्थान के बाद प्रकटीकरण से मार्गदर्शन करते थे, वह लगातार गिरजाघर को आज भी जीवित भविष्यवक्ताओं और प्रेरितों द्वारा निर्देश देता है । अन्तिम-दिनों का यीशु मसीह का गिरजाघर के अध्यक्ष परमेश्वर की ओर से आज के चुने हुए भविष्यवक्ता हैं । वह, उनके सलाहकार, और बाहर प्रेरितों के पास पौरोहित्य अधिकार है जैसे पूर्व समय के सभी भविष्यवक्ताओं और प्रेरितों के पास था । ये पुरुष भविष्यवक्ता, दिव्यदर्शी, और प्रकटकर्ता हैं ।

लाल रंग के शब्द पृष्ठ 18 और 19 पर परिभाषित किए गऐ हैं ।

पतरस, याकूब, और यूहन्ना—यीशु मसीह के प्रेरित—ने जोसफ स्मिथ को मलकिसिदक पौरोहित्य प्रदान किया था ।

मॉरमन की पुस्तक

सुसमाचार के पुनःस्थापना के रुप में, परमेश्वर ने मॉरमन की पुस्तकः यीशु मसीह का अन्य नियम को प्रकट किया था । परमेश्वर की शक्ति द्वारा, जोसफ स्मिथ ने स्वर्ण पट्टियों पर लिखे हुए प्राचीन अभिलेख से इस पुस्तक का अनुवाद किया । मॉरमन की पुस्तक, ''अमरीका में प्राचीन निवासियों के साथ परमेश्वर के व्यवहार का अभिलेख है और इसमें अनंत सुसमाचार की पूर्णता सम्मिलित है'' (मॉरमन की पुस्तक का परिचय) ।

आप समझ सकते हैं कि जो प्रचारकों ने सीखाया है सत्य है यदि आप मॉरमन की पुस्तक को पढ़ते और इसके लिए प्रार्थना करते हैं ।

''और अगर तुम सच्चे हृदय से और अच्छी अभिलाषा से, मसीह में विश्वास करके पूछोगे, तब वह पवित्रात्मा की शक्ति द्वारा तुम पर सच्चाई स्पष्ट प्रकट करेगा ।

''और तुम पवित्रात्मा की शक्ति द्वारा सब बातों को सच्चाई जानोगे ।''

मरोनी 10:4–5

मॉरमन की पुस्तक यीशु मसीह की सशक्त गवाही है । यह हमें उसकी शिक्षाओं को, जो बाइबिल में भी शामिल हैं को समझने में मदद करती है ।

मॉरमन की पुस्तक जोसफ स्मिथ द्वारा सुसमाचार के पुनःस्थापना को विश्वसनीय गवाही है । आप स्वयं के लिए जान सकते हैं कि मॉरमन की पुस्तक सत्य है । इस ज्ञान को पाने के लिए, आपको इस पढ़ना पड़ेगा, इसके संदेशों पर चिन्तन करना होगा, और जानने की कामना करनी है कि यह सच है । स्वर्गीय पिता से पुष्टी करने के लिए पूछना है कि यह उनके वचन हैं । जब आप ऐसा करते है, वह आपको पवित्र आत्मा द्वारा प्रकट करेगा कि यह सत्य है ।

जब आप जान जाते हैं कि मॉरमन की पुस्तक सच्ची है, आप पवित्रात्मा के द्वारा यह भी जान जाएंगे कि जोसफ स्मिथ परमेश्वर का एक भविष्यवक्ता था, कि यीशु मसीह का सुसमाचार उसके द्वारा पुनःस्थापित किया गया था, और कि अन्तिम-दिनों का यीशु मसीह का गिरजाघर का मार्गदर्शन आज भी भविष्यवक्ता और प्रेरितों द्वारा होता है ।

लाल रंग के शब्द पृष्ठ 18 और 19 पर परिभाषित किए गऐ हैं ।

मॉरमन की पुस्तक में यीशु मसीह का अमरीका के दौरों का लेखा है ।

मैं कैसे जान सकता / सकती हूं ?

आप जान जाएंगे यह संदेश सच्चा है । यदि आप अपने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना में पूछेंगे, आप उसका जवाब पवित्रात्मा के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं । पवित्रात्मा को परमेश्वर की आत्मा भी कहते हैं, और उसका एक काम सच्चाई की गवाही, या साक्षी देना है ।

मैं कैसे प्रार्थना कर सकता / सकती हूं ?

- *अपने स्वर्गीय पिता से संबोधित करें ।*
- *अपने हृदय की अनुभूतियों को व्यक्त करें (आभार, प्रश्न, प्रमाणित करने का अनुरोध कि मॉरमन की पुस्तक, और प्रचारकों ने जो सीखाया वह सच है) ।*
- *समापन (''यीशु मसीह के नाम से, आमीन'') ।*

यह ज्ञान चमत्कारिक और जीवन में बदलाव कर सकता है, परन्तु यह अक्सर शान्त आत्मविश्वास, बिना परमेश्वर की प्रभावशाली शक्ति के प्रदर्शन से आता है । पवित्रात्मा सच्चाई की पुष्टी एहसासों से, विचारों से, और भावों के द्वारा करता है । जैसे बाइबिल में सीखाया गया था, ''पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, [और] संयम है'' (गलतियों 5:22–23) । पवित्रात्मा से ये एहसास आपके लिए व्यक्तिगत प्रकटीकरण है कि यीशु मसीह का सुसमाचार जिसे जोसफ स्मिथ द्वारा पुनःस्थापित किया गया था सत्य है । तब आपको चुनने की जरुरत है कि क्या आप उस ज्ञान के अनुरूप जीवन जीना चाहेंगे जिसे अपने प्राप्त किया है ।

शब्दों की सूची

हारुनी पौरोहित्य लघु पौरोहित्य । इस पौरोहित्य में शामिल है बपतिस्मा देने का अधिकार और इसका नाम बाइबिल के पुराना नियम के हारुन पर रखा गया है ।

स्वधर्मत्याग जब व्यक्ति, गिरजाघर, या सम्पूर्ण राष्ट्र यीशु मसीह का सुसमाचार को त्यागता या छोड़ देता है । स्वधर्मत्याग के परिणाम स्वरुप विभाजन, परेशानी, और पौरोहित्य की शक्ति, या परमेश्वर के नाम में कार्य करने के अधिकार को खोना है ।

प्रेरित पद जो यीशु मसीह ने पृथ्वी पर अपनी सेवकाई दौरान बारह पुरुषों को अपने निकटतम साथी के रूप में दिये थे और जिन्हें उसने अपने नाम में काम करने का अधिकार दिया था । आधुनिक समय में, यीशु मसीह ने अन्य पुरुषों को सेवा करने के लिए अपने प्रेरित बुलाया है । जैसे पहले के समय में, प्रेरित यीशु मसीह के विशेष साक्षी होते हैं और उसकी ओर उनके पास अधिकार होता है ।

प्रायश्चित वह घटना जो हमें परमेश्वर के अनुकुल होने के योग्य बनाती है । प्रायश्चित पापों की पीड़ा के लिए जुर्माना है, उसके द्वारा पश्चातापी गुनाहगार के पापों का प्रभाव खत्म हो जाता है । सारी मानवजाति के लिए सम्पूर्ण प्रायश्चित करने के लिए यीशु मसीह ही एकमात्र योग्य व्यक्ति थे । उसके प्रायश्चित में उसका हमारे पापों के लिए के लिए याताएं झेलना, उसका लहू बहना, और उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान शामिल है । प्रायश्चित के कारण, प्रत्येक जो जीवन जिए थे पुनरुत्थारित होंगे । प्रायश्चित हमें हमारे पापों के लिए क्षमा का और परमेश्वर के साथ हमेशा के लिए रहने का भी रास्ता प्रदान करता है ।

बपतिस्मा पापों की क्षमा प्राप्त करने का एक जरुरी कदम है । अधिकृत पौरोहित्य द्वारा बपतिस्मा और पुष्टीकरण से, हम अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के सदस्य बनते हैं । डुबकी का बपतिस्मा लेने, का मतलब है कि व्यक्ति कुछ क्षणों के लिऐं पानी में डुबकी लगाकर बपतिस्मा लेता है । बपतिस्मा मसीह का अनुसरण करने और परमेश्वर के साथ अनुबंध बनाने की हमारी इच्छा को दिखाता है ।

सुसमाचार स्वर्गीय पिता की योजना हमें इस जीवन में शान्ति और अनन्तता में आनन्द देने की है । सुसमाचार यीशु मसीह के प्रायश्चित का केन्द्र है और उसमें हमारे विश्वास, पश्चाताप, बपतिस्मा लेने, पवित्रात्मा पाने, और अन्त तक धीरज धरने की जरुरत है ।

पवित्र आत्मा पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, और सांत्वना देने वाला भी कहते है । यह स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह और प्रकटीकरण और सच्चाई की शिक्षा का साक्षी, या गवाही देने वाला होता है ।

मलकिसिदक पौरिहत्य उच्च या बड़ा पौरोहित्य है । यह बाइबिल के पुराना नियम में मलकिसिदक के नाम पर है, जोकि उच्च याजक और राजा था ।

धर्मविधि पौरोहित्य अधिकार द्वारा की जाने वाली एक पवित्र, औपचारिक क्रिया । बपतिस्मा एक उदाहरण है ।

पौरोहित्य परमेश्वर का अधिकार और शक्ति है । परमेश्वर यह शक्ति पुरुष को उसके नाम पर काम करने के लिए देता है । हारुनी पौरोहित्य जोसफ स्मिथ को यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले, जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था, के द्वारा पुनस्थापित किया गया था । मलकिसिदक पौरोहित्य को पतरस, याकूब, और यूहन्ना, यीशु के तीन प्रेरितों द्वारा स्थापित किया गया था ।

पुनःस्थापना किसी भी चीज को उसी तरह से वैसा ही बनना जैसे वह थी, फिर से स्थापित करना, नए तरीके से वापस लाना । सच्चाई और अधिकार के पृथ्वी पर से खो जाने के बाद, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ द्वारा सुसमाचार को पुनःस्थापित किया गया था । पुनःस्थापना सुधार करने से अलग है *सुधार* का मतलब है मौजूदा संस्था या प्रथा में परिवर्तन करना या उसे उसी मूल अवस्था में वापस लाने का प्रयास करना, जबकि *पुनःस्थापना* का मतलब है पुनःस्थापित करना या मूल संस्था या प्रथा का संपूर्ण नवीनीकरण करना होता है ।

पुनरुत्थान शारीरिक मौत के बाद, आत्मा का हड्डियों और मांस के परिपूर्ण भौतिक शरीर के साथ फिर मिल जाना है । यीशु मसीह सबसे पहले पुनरुत्थान होने वाले व्यक्ति थे ।

प्रकटीकरण परमेश्वर और उसके बच्चों के बीच बातचीत, अक्सर पवित्रात्मा द्वारा होती है । व्यक्ति अपने जीवन के लिए प्रकटीकरण और मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं, परन्तु सिर्फ परमेश्वर द्वारा चुने भविष्यवक्ता ही सारे संसार के लिये प्रकटीकरण प्राप्त करते हैं । प्रकटीकरण कई तरीकों से आता है, परन्तु अक्सर यह विचारों, अनुभूतियों, और एहसासों से आता है ।

अतिरिक्त अध्ययन

निम्नलिखित प्रश्न और धर्मशास्त्र आपको इस पुस्तिका में दिए नियमों को और अधिक सीखने में और उन पर मनन करने में मदद करगें । यह सूची विस्तृत नहीं है; धर्मशास्त्रों में दी गई टीकाएं और व्याख्याएं आपको अतिरिक्त परिच्छेदों और स्रोतों का हवाला देगें ।

इसका आपके लिए क्या अर्थ है कि परमेश्वर आपका स्वर्गीय पिता है ?

मलाकी 2:10 (बाइबिल, पुराना नियम)

इब्रानियों 12:9–10 (बाइबिल, पुराना नियम)

एक भविष्यवक्ता की क्या भूमिका है ? यह जानना क्यों आवश्यक है कि परमेश्वर भविष्यवक्ताओं से बात करता है ?

आमोस 3:7 (बाइबिल, पुराना नियम)

याकूब 4:4–6 (मॉरमन की पुस्तक, पृष्ठ 124)

पौरोहित्य अधिकार पाने का क्या अर्थ है ? कोई इस अधिकार को कैसे पाता है ?

मत्ती 10:1 (बाइबिल, नया नियम)

यूहन्ना 15:16 (बाइबिल, नया नियम)

क्या होता है जब अधिकार खो जाता है ?

आमोस 8:11–12 (बाइबिल, पुराना नियम)

1 नेफी 13:24–29 (मॉरमन की पुस्तक, पृष्ठ 21)

क्या यीशु के प्रेरित जानते थे कि स्वधर्मत्याग होगा ?

प्रेरितो के काम 20:28–31 (बाइबिल, नया नियम)

2 थिस्सलुनीकियों 2:2–3 (बाइबिल, नया नियम)

2 तीतुस 4:3–4 (बाइबिल, नया नियम)

जोसफ स्मिथ के द्वारा यीशु मसीह के सुसमाचार की पुनः स्थापना किए जाने का आपके लिए क्या अर्थ है ?

भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ की गवाही (पुस्तिका)

मॉरमन की पुस्तक क्या है ? कैसे यह जोसफ स्मिथ को एक भविष्यवक्ता के रुप में गवाही देती है ?

मॉरमन की पुस्तक का शीर्षक पृष्ठ

मॉरमन की पुस्तक का परिचय

पवित्र आत्मा की क्या भूमिका है ?

अलमा 5:45–47 (मॉरमन की पुस्तक, पृष्ठ 192–193)

मरोनी 10:3–5 (मॉरमन की पुस्तक, पृष्ठ 477)

हमारे साथ उपासना करें

आओ और देखो के किस तरह से पुनःस्थापित सुसमाचार आपके जीवन को आशीषित कर सकता है

प्रभुभोज सभा मुख्य उपासना सभा है । यह तकरीबन एक घण्टे से कुछ ज्यादा की होती है और इसमें प्रायः निम्नलिखित सम्मलित होते हैं :

स्तुतिगीत : कलीसिया द्वारा गाया जाता है । (स्तुतिगीत किताबें उपलब्ध की जाती हैं ।)

प्रार्थनाएं : स्थानीय गिरजाघर के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं ।

प्रभुभोज : कलीसिया को यीशु मसीह के प्रायश्चित का स्मरण करने के लिए रोटी और पानी को आशीषित करके बांटा जाता है ।

वार्ताकार : प्रायः कलीसिया के एक या दो सदस्यों को सुसमाचार के में बोलने के लिए पहले से नियुक्त किया जाता है ।

पोशाक : पुरुष और युवक अक्सर सूट या अच्छी पेन्ट के साथ कमीज और टाई पहनते हैं । महिलाएं और लड़कियां सभ्य पोशाकें या स्कर्ट पहनती हैं ।

उपासना सभाओं के दौरान दान की आवश्यकता नहीं है ।

हम आपको अतिरिक्त सभाओं में, आपकी रुचि और आयु के अनुसार भाग लेने के लिए भी आमंत्रित करते हैं । इन सभाओं के क्रम और उपलब्धता में अन्तर हो सकता है ।

रविवार विद्यालय : सुसमाचार के सिद्धान्तों और धर्मशास्त्रों के अध्ययन के लिए कक्षाएं ।

पौरोहित्य सभा : पुरुषों और 12 वर्ष और उससे बड़े लड़कों के लिए कक्षाएं ।

सहायता संस्था : 18 वर्ष और उससे बड़ी स्त्रियों के लिए कक्षाएं ।

युवतियां : 12 से 18 आयु तक लड़कियों के लिए कक्षाएं ।

प्राथमिक : समूह सभा और कक्षाएं 3 से 11 की आयु के बच्चों के लिए । 18 महीने की आयु से लेकर 3 वर्ष के लिए उपलब्ध ।

प्रभुभोज सभा का समय : _____

चैपल का पता : _____

_____

मुझे क्या करना चाहिए ?

- मॉरमन की पुस्तक को पढ़ें ।

  प्रस्तावित अध्ययन : _____

  _____

- जानने के लिए प्रार्थना करें कि जोसफ स्मिथ एक भविष्यवक्ता थे और मॉरमन की पुस्तक परमेश्वर का वचन है ।

- गिरजाघर जाएं ।

- निर्णय करें कि उद्धारकर्ता का अनुसरण बपतिस्मा लेने के द्वारा करेंगे कि नहीं ।

  बपतिस्मे की तिथि : _____

- यीशु मसीह के सुसमाचार की पुनःस्थापना के बारे में अधिक जानने के लिए www.mormon.org पर जाएं ।

- उन सच्चाइयों के बारे में अधिक जानने के लिए प्रचारकों से मिलना जारी रखें जिन्हें परमेश्वर ने आधुनिक भविष्यवक्ताओं द्वारा पुनःस्थापित किया है ।

  अगली भेंट : _____

  प्रचारकों के नाम और फोन नबंर :

  _____

  _____

अन्तिम-दिनों के सन्तों का
यीशु मसीह
का गिरजाघर

www.mormon.org

चित्र श्रेय
मुख्य आवरण: *खोया हुआ मेमना,* डेल पारॅसन द्वारा । © डेल पारॅसन । प्रति न बनाएं ।
पृष्ठ 2 © कॉमस्टोक
पृष्ठ 5: *भविष्यवक्ता यशायाह ने मसीह के जन्म की भविष्यवाणी करता है* से विवरण, हेरी एन्डरसन द्वारा
पृष्ठ 6: *मसीह द्वारा बाहर प्रेरितों की नियुक्ति* से विवरण, हेरी एन्डरसन द्वारा
पृष्ठ 13: *मलकिसिदक पौरोहित्य की पुनःस्थापना* से विवरण, केनेंथ रिले द्वारा
पृष्ठ 14: *अमरीका में यीशु मसीह जाता है* से विवरण, जॉन स्कॉट द्वारा
पृष्ठ 22, 23 स्टीव बुंडरसन द्वारा

© 2005 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमति:1/06 ।
अनुवाद अनुमति:1/06 । *The Restoration of the Gospel of Jesus Christ* का अनुवाद । Hindi । 01188 294

HINDI
4 02011 88294 9
01188 294